भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3260

(जिसका उत्तर सोमवार, 16 दिसम्बर, 2024/25 अग्रहायण, 1946 (शक) को दिया जाना है)

विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट और रुपए का मूल्यह्रास

3260. प्रो. सौगात राय:

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या देश के विदेशी मुद्रा भंडार में हाल में रिकॉर्ड स्तर पर सबसे तेज साप्ताहिक गिरावट दर्ज की गई है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या भारतीय इक्विटी से लगातार निकासी के कारण भी रुपये पर दबाव बना हुआ है; और
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वित्त राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)

(क) और (ख) 15 नवंबर, 2024 को समाप्त सप्ताह के लिए, विदेशी मुद्रा भंडार (एफईआर) में पिछले सप्ताह की तुलना में 2.63% की कमी आई। हालांकि, प्रतिशत के लिहाज से, पिछले 20 वर्षों में अब तक की सबसे बड़ी गिरावट 24 अक्टूबर, 2008 को समाप्त सप्ताह में देखी गई थी, जिसमें एफईआर में पिछले सप्ताह की तुलना में 5.65% की गिरावट दर्ज की गई थी।

नवंबर के दौरान एफईआर का स्तर नीचे दिया गया है।

की स्थिति के अनुसार (सप्ताहांत)	**एफईआर स्थिति (बिलियन अमेरिकी डॉलर)**
01 नवंबर, 2024	682.13
08 नवंबर, 2024	675.65
15 नवंबर, 2024	657.89
22 नवंबर, 2024	656.58
29 नवंबर, 2024	658.09
	स्रोत: आरबीआई

जैसा कि आंकड़ों से स्पष्ट है, 29 नवंबर, 2024 के सप्ताह में एफईआर के स्तर में बढ़ोतरी देखी गई है।

(ग) और (घ) भारतीय रुपये (आईएनआर) का मूल्य बाजार द्वारा निर्धारित होता है, जिसका कोई लक्ष्य या विशिष्ट स्तर या बैंड नहीं होता। पूंजी प्रवाह (जिसमें इक्विटी प्रवाह भी शामिल है) के अलावा, आईएनआर की विनिमय दर को प्रभावित करने वाले कारकों में डॉलर इंडेक्स में उतार-चढ़ाव, ब्याज दरों का स्तर, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, चालू खाता घाटा आदि शामिल हैं। इसके अलावा, आरबीआई आईएनआर में अत्यधिक अस्थिरता को नियंत्रित करने के लिए विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप करता है।

***